

## सौर सामुदायिक सिंचाई योजना

क्रेडा द्वारा सिंचाई के क्षेत्र में नवाचार करते हुए किसानों को सामुदायिक रूप से सौर सिंचाई पम्प से सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। यह योजना न केवल देश की अपितु विश्व की पहली योजना है जिसमें बड़े पैमाने पर किसानों को सौर पम्प से सामुदायिक कृषि हेतु सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना में किसानों की सिंचाई सुविधा हेतु न केवल सोलर पंप स्थापित किये जा रहे हैं, अपितु आवश्यक अधोसंरचनाओं के साथ प्रत्येक किसानों के खेतों तक उच्च दाब के अण्डर ग्राउंड पाईप लाईन बिछाकर उन्हें जल उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनांतर्गत स्थापित सभी संयंत्रों का न्यूनतम 05 वर्षों तक रखरखाव भी क्रेडा द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें भूमिगत जल का उपयोग न कर राज्य में पूर्व से उपलब्ध सतही जलस्रोतों के जल को उपयोग में लाया जा रहा है।

ग्राम-चितलूर, जिला-बस्तर



श्री भूपेश बघेल

माननीय मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन



छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)

ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन



Toll Free No. 18001234591

Log on: [www.creda.co.in](http://www.creda.co.in)

व्ही.आई.पी.रोड, ऊर्जा शिक्षा उद्यान के पास, फुण्डहर चौक, रायपुर (छ.ग.)

## सौर सामुदायिक सिंचाई योजना

पूरे देश में भूमिगत जल का स्तर लगातार गिर रहा है, जो कि बहुत चिंतनीय विषय है। इस कारण कृषि प्रयोजनों में सिंचाई कार्यों में सतही जलस्रोतों का उपयोग करना बहुत अच्छा विकल्प है, इससे न केवल भूमिगत जलस्रोतों का दोहन कम होगा अपितु राज्य के ऐसे सतही जलस्रोत जहां उपलब्ध जल का उपयोग कृषि प्रयोजनों में सिंचाई कार्यों में नहीं हो पा रहा था, का व्यापक रूप से उपयोग भी किया जा सकेगा।

इस परियोजना के शुरुआत में पूर्ण किये गये ग्रामों यथा कुल्हाड़ीघाट, जिला गरियाबंद में 151.60 एकड़ कृषि भूमि के कुल 55 आश्रित कृषक तथा ग्राम बकेला, जिला कबीरधाम के 75.73 एकड़ कृषि भूमि के कुल 18 आश्रित कृषक इस योजना से अपनी कृषि योग्य भूमि में सामुदायिक रूप से सिंचाई व्यवस्था प्राप्त कर अपने जीवन स्तर में व्यापक सुधार कर पा रहे हैं। परियोजनांतर्गत लगभग 2446 हेक्टेयर कृषि भूमि के आश्रित 2220 कृषकों को परियोजना अंतर्गत सामुदायिक सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है।

राज्य में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध सतही जल स्रोतों व सौर ऊर्जा का कृषि क्षेत्र में व्यापक उपयोग कर परंपरागत विद्युत व भूमिगत जल के दोहन को न्यूनतम करने के दृष्टिकोण से यह योजना कृषक समुदायों के लिए अत्यंत कल्याणकारी सिद्ध हो रही है। राज्य में इस योजना का विस्तार व्यापक पैमाने पर किया जाकर देश के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण से तीव्रता से कार्य किये जा रहे हैं।



ग्राम-जरवाय, जिला- दुर्ग

